नाजिम हिकमत की कविता

मनहूस आज़ादी

तुम बेच देते हो-
अपनी आंखों की सतर्कता, अपने हाथों की चमक,
तुम गूंथते हो लोइयां जिन्दगी की रोटी के लिए,
पर कभी एक टुकड़े का स्वाद भी नहीं चखते
तुम एक गुलाम हो अपनी महान आज़ादी में खटनेवाले।
अमीरों को और अमीर बनाने के लिए नरक
भोगने की आज़ादी के साथ तुम आज़ाद हो!

जैसे ही तुम जन्म लेते हो,
करने लगते हो काम और चिन्ता,
झूठ की पवनचक्कियां गाड़ दी जाती हैं
तुम्हारे दिमाग में।
अपनी महान आज़ादी में अपने हाथों से
थाम लेते हो तुम अपना माथा।
अपने अन्त:करण की आज़ादी के साथ
तुम आज़ाद हो।
तुम्हारा सिर अलग कर दिया गया है धड़ से।
तुम्हारे हाथ झूलते है तुम्हारे दोनों बगल।
सड़कों पर भटकते हो तुम अपनी महान
आज़ादी के साथ।
अपने बेरोज़गार होने की महान आज़ादी के साथ
तुम आज़ाद हो!
तुम बेहद प्यार करते हो अपने देश को,
पर एक दिन, उदाहरण के लिए, एक ही दस्तखत में
उसे अमेरिका के हवाले कर दिया जाता है
और साथ में तुम्हारी महान आज़ादी भी
उसका हवाई-अड्डा बनने की
अपनी आज़ादी के साथ
तुम आज़ाद हो!
वाल-स्ट्रीट तुम्हारी गर्दन जकड़ती है
ले लेती है तुम्हें अपने कब्ज़े में।
एक दिन वे भेज सकते हैं तुम्हें कोरिया,
जहां अपनी महान आज़ादी के साथ
तुम भर सकते हो एक कब्र।
एक गुमनाम सिपाही बनने की आज़ादी के साथ
तुम आज़ाद हो!
तुम कहते हो तुम्हें एक इन्सान की तरह जीना चाहिए,
एक औज़ार, एक नम्बर, एक साधन की तरह नहीं।
तुम्हारी महान आज़ादी में वे
हथकड़ियां पहना देते हैं तुम्हें।
गिरफ़्तार होने, जेल जाने, यहां तक कि
फ़ांसी पर झूलने की अपनी आज़ादी के साथ
तुम आज़ाद हो!
तुम्हारे जीवन में कोई लोहे का फ़ाटक नहीं,
बांस का टट्टर या टाट का पर्दा तक नहीं।
आज़ादी को चुनने की जरूरत ही क्या है भला-
तुम आज़ाद हो!
सितारों भरी रात के तले बड़ी मनहूस है यह आज़ादी।

पुलिस की शराब मंथली पर डीईटीसी का कहर

फ़रीदाबाद (म.मो.) एनआईटी पुलिस की लूट-कमाई में शराब माफ़ियों, जुआरियों, सट्टेबाज़ों व होटल संचालकों की अहम भूमिका रहती है। ये लोग ऐसे जुर्म की दूनिया चलाते हैं जिसका न तो बहुत ज्यादा शोर-शराबा होता हैऔर न ही सीधे किसी पर आघात होता है। लेकिन इस दुनिया से मिलने वाले खाद-पानी से दूसरे बड़े जुर्म पनपते हैं।

सूत्रों अनुसार नीलम बाटा रोड पर स्थित होटल रोनाल्ड, अभिनंदन, राजमंदिर, मिलेनियम में जुआ सट्टा वेश्यावृत्ति का धंधा जम कर चल रहा है। इन होटलों में फ़रीदाबाद के जुआरियों के साथ-साथ दिल्ली, गाजियाबाद, पलवल तक के जुआरियों का जमावड़ा लगा रहता है। होटल अभिनंदन में तो जुआ-सट्टा के साथ-साथ वेश्यावृत्ति का धंधा भी ज़ोरों से चल रहा है। यहां जुआ सट्टा खेलने वालों की औकात देख कर कमरे उपलब्ध कराये जाते हैं।

वहीं दूसरी तरफ़ एन आई टी थाना प्रभारी रामकिशन व शराब माफ़ियों की मिली भगत पर सरकारी मुहर तब लगी, जब डी ई टी सी (आबकारी एवं कराधान उपायुक्त)ने दिनांक 2 अप्रैल को थाना एन आई टी से चंद कदमों की दूरी पर कई शराब माफ़ियों के अड्डों पर छापा मारकर बड़ी मात्रा में अवैध शराब तथा उसके बेचने वालों को पकड़ा।

5के/2 ए व 5एम/46 में अवैध शराब बेचने वाले नोनीखत्री को भी जब डी टी सी ने पकड़ा तो उनके साथ आई पुलिस ने तो नोनी खत्री को आगे से खुल कर शराब बेचने के लिये 12000 रुपये लेकर महीना बांध दिया। जब कि एन एच 5 में आधा दर्जन से अधिक शराब माफ़िया थाना प्रभारी राम किशन को मंथली दे रहे हैं। जब इलाके का एस एच ओ बिकाऊ हो तो अन्य अपराधियों व गुंडों के हौंसले भी बुलंद होना स्वाभाविक है।

इसके परिणामस्वरूप बाज़ारों में गुंडागर्दी, मारपीट, झपटमारी, जायदादों पर कब्जे व अन्य अपराधों का बढना स्वाभाविक है। अब देखना ये है कि डी टी सी का ये अभियान स्थायी रूप से चलता है या वे भी अपने हिस्से की मंथली बंधवाने के चक्कर में है।

निगम-कर्मियों की लूट कमाई के लिये जरूरी हैं अवैध निर्माण

फ़रीदाबाद (म.मो.) यूं तो नगर निगम का हर काम इसके अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये लूट का कारोबार है। परन्तु भवन निर्माण वैध-अवैध इनके लिये बहुत मोटी लूट का ज़रिया है। निगम अधिकारियों ने अपनी लूट-कमाई को बढावा देने के लिये यह तय कर रखा है कि किसी भी शहरवासी को वैध निर्माण करने ही मत दो, किसी का भी नक्शा पास मत करो। अवैध निर्माणों के लिये प्रोत्साहित करो जब अवैध निर्माण हो जाए तो तोड़-फ़ोड़ दस्ते का भय दिखा कर मोटी लूट वसूल करो।

एन आई टी के 5 नम्बर में संवाददाता द्वारा किये गए सर्वेक्षण के अनुसार 5 के/16 बी, 5 एम/36, व 5 एम/ 37 में8-8 फ्लैट और 5 एम/39 में चार फ्लैट बनाकर चार-चार मंजिला इमारत का रूप दिया जा रहा है। इसी तरह 5एम/70 (कार्नर), 5 एम/30, 5 एम/98, में भी चार मंजिला इमारत बना कर फ्लैटों का रूप दिया जा रहा है। नगर निगम अधिकारियों के लेन-देन से ये सारे फ्लैट बनने के निकट है। इसी 5 नम्बर में बिल्डरों द्वारा सरकारी ज़मीने कब्ज़ाकर फ्लैट बना कर बेचे जा रहे हैं। 5एल/37ए, 5के/2ए, 5के/3ए, 5एम/24, 5एच/41 पर फ्लैट बन कर आबाद भी हो चुके हैं।

इसके साथ ही 5 के-जे ब्लॉक पार्क की ज़मीन पर एक कबाडी 5 के/120 में रहता है। उसने सरकारी ज़मीन घेर कर अपना पक्का सेड डाल लिया है। यह सारा काम बिना किसी पर्दे के खुले-आम सार्वजनिक रूप से हो रहा है। लूट की रकम लेन-देन में किसी प्रकार की झिझक शर्म की कोई बात नहीं है। सारा काला धंधा डंके की चोट पर पूरी निर्भयता के साथ किया जा रहा है।

इतना सब होने पर क्या निगम आयुक्त यह कह सकते हैं के उन्हें तो मालूम ही नहीं कि शहर में कैसी लूट मची है। या कह सकते हैं कि पता तो उन्हें भी है पर वे क्या करे उनकी कोई सुनता नहीं। सारे का सारा महकमा ही बिगड़ा पड़ा है। वे अकेले क्या करे? यदि वे ऐसा कहते हैं, तो वे इस पद के लायक ही नहीं। हां वे यह जरूर कह सकते हैं कि सब लुटने में जुटे हैं तो उन्होंने कौन से पाप कर रखे हैं जो लूट कमाई को छोड़कर खामखा की पंगेबाज़ी में पड़े। विदित है कि तोड़-फ़ोड़ के दस्ते पर तो सरकार का स्थाई खर्च होता है इसके द्वारा चलाये जाने वाले प्रत्येक अभियान पर तो और भी भारी भरकम खर्च होता है। भाड़े के मज़दूर भाड़े की जे.सी.पी मशीने लेकर उनका चौगुणा बिल सरकार से लेकर अधिकारी डकार जाते हैं। इसके अलावा भारी पुलिस बल व ड्यूटी में जिस रेटों की नियुक्ति पर भी भारी प्रशासनिक खर्च होता है। इस तमाम खर्च के बावजूद आज तक एक भी ऐसा निर्माण देखने को नहीं मिला जो इस दस्ते द्वारा तोड़ने के बावजूद दोबारा बनकर न खड़ा हो गया हो।

यदि वास्तव में ही सरकार की नीयत अवैध निर्माण रोकने की होती तो इस तोड़-फ़ोड़ दस्ते की जरूरत ही नहीं थी। सरकार को केवल इतना करना है कि अवैध निर्माणकर्ता तथा निर्माणों के लिये ज़िम्मेदार बिल्डिंग इंस्पेक्टर से लेकर कमिश्नर तक जो भी उसके लिये जिम्मेवार हो उसके ख़िलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करके हवालात में बंद कर दिया जाए और तब तक हवालात से न निकाला जाए जब तक अवैध निर्माण को खूद निर्माता साफ़ न कर दे।

केरल की ट्रेड-यूनियन या गुंडा गिरोह

अमेरिका से आये कलाकार वासवो एक्स वास्वो ने प्रदर्शनी के लिये लाई अपनी कलाकृतियों को स्वयं ही इसी माह की 4 ता. को नष्ट कर दिया क्योंकि केरल की सशक्त गुंडा ट्रेड यूनियनों ने उन्हें इन कलाकृतियों को ट्रक में चढाने के लिये जो रकम मांगी उससे वे मानसिक तौर पर इतने विचलित हो गये कि अपनी ही कलाकृतियां तोड़ डाली।

केरल में कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी एवं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी समर्थित लदान एवं उतारने वाली यूनियन इतनी सशक्त है कि आम व्यापारी तो क्या साधारण नागरिक भी उससे खौफ़ खाता है। मुझे पिछले दिनों केरल की राजधानी त्रिवेन्द्रम में काम करने का अवसर प्राप्त हुआ तो मुझे भी इन तल्ख वाक्यों का सामना करना पड़ा।

ये यूनियन कहीं भी खाली या भरा हुआ ट्रक देखते हैं तो उसके पीछे लग जाते हैं और उसे भरने अथवा खाली करने के लिये मनमाने पैसे मांगते हैं। यह ट्रक व्यापारिक सामान का हो या घरेलू सामान का उन्हें इससे कोई वस्ता नहीं है ये दाम इतने अधिक और अव्यवहारिक होते हैं कि नया आदमी तो एकदम ख़ौफ़ में आ जाता है। यदि कोई खुद भी उतारना या लादना चाहे तो ये लोग झगड़े पर उतारू हो जाते हैं फ़िर चाहे पुलिस हो, राजनेता हो या प्रशासनिक अधिकारी हो इनके ख़िलाफ़ नहीं जा सकता। इनके ख़ौफ़ का अंदाज़ा आप इस बात से लगा सकते हैं कि राज्य सरकार के सचिव स्तर के अधिकारी भी यूनियन के मामले में अपने हाथ खड़े कर देते हैं।

वहां के स्थानीय दुकानदार भी इस कार्य के लिये यूनियन का ही सहारा लेते है वर्ना ये उनका जीना दूभर कर देते हैं। यदि आप उनको कहें कि मेरा सामान कुछ विशेष किस्म का है तो आपको 'नौका कुली' की सुविधा मिल सकती है इसका मतलब है कि आप अपना काम स्वयं करें परन्तु इसकी निगरानी का पैसा वो लेंगे। एक मज़ेदार बात ये है कि कांग्रेस, भाकपा एवं माकपा की यूनियनें आपस में झगड़ा नहीं करती बल्कि लूट के माल को मिल कर बांटती हैं।

इसके अतिरिक्त वहां के आटो वाले भी इसी प्रकार की लूट करते हैं किसी भी तरह का मोल भाव न करके मीटर से चलते हैं परन्तु गन्तव्य पर पहुंच कर दुगने पैसे की मांग करते हैं क्योंकि उन्हें वापस भी जाना है इसकी कीमत भी सवारी से वसूल की जाती है। इन यूनियनों की गुण्डागर्दी के चलते केरल में व्यापार एवं उद्योग लगने तो बन्द हो गये हैं। पुराने भी वहां से बन्द करके कहीं और लगाने की चेष्टा में है।

मज़दूर मोर्चा

नियमित रूप से हर माह की पहली व सोलह तारीख को प्राप्त करने के लिए अपने हॉकर से संपर्क करें। कोई दिक्कत होने पर फ़रीदाबाद के पाठक शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर तथा बल्लभगढ़ के पाठक अरोड़ा न्यूज़ एजेन्सी फोन नं 9811477204, करनाल के पाठक अशोक कुमार जैन, फुटवियर जवाहर मार्किट सदर बाजार से फोन नं 9896436739 पर सम्पर्क करें।

फरीदाबाद में अन्य बिक्री केन्द्र :

1. आनंद मैगजीनल सैंटर केसी रोड, एनएच-5,
2. प्रिंट फोर्ट टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड,
3. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन,
4. रैंक, 45 नीलम चौक,
5. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे,
6. राम खिलावन बल्लभगढ़ बस अड्डा पुलिस चौकी के सामने,
7. हितेश ग्रोवर सैक्टर 29 पेट्रोल पम्प के पास ।
8. जितेन्द्र, बाटा सैंटर - 9971064207